

**E** 

#ITH

ரெயின்போ

ক ক

రెయిన్బో

रेनबो साथी

SATHI

RAINBOW

সাখী

রেইনবো

ರೈನ್ಬೋ

**E** 

**FILE** 

ரெயின்போ

মু কু

రెయిన్బో

रेनबो

SATHI

साधी

रेनबो

SATHI

RAINBOW

रेनबो

SATHII

MAUSAM KUMARI PATNA AISHWARYA, BANGALLORE

AMAN KUMAR, HYDERABAD

CH.NIKITHA, HYDERABAD SELVI M, CHENNAI

SANTHOSH, BANGALLORE

# TEAM Work

Year 6, Issue 21 November 2021

**EDITOR IN CHIEF** BHASHA SINGH

#### **ADVISIORY BOARD**

T.M. KRISHNA GEETA RAMASWAMY K. LALITHA, K. ANURADHA

#### **EDITORIAL BOARD**

CHANDA



SAHITYA (HYDERABAD)

AMITA KUMARI



AMBIKA, DEEPTI BEZWADA WILSON

#### **CHILD JOURNALIST**

RUPAL ORAON, RANCHI

LAXMI, BANGALORE

VENISSA NIYOLA

SABINA KHATUN, KOLKATA

D'SOUZA, BANGALLORE

SUTAPA DOLUI, KOLKATA

SUDAMA, PATNA

SANOJ, PATNA

RACHNA, PATNA

MANAN, PATNA

ARJUN H, CHENNAI

DUBRAJ MALAR, RANCHI

PREETI KUMARI, RANCHI



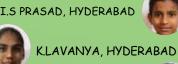
ANIKET LOHRA, RANCHI





DEEPAK AMAN, DELHI

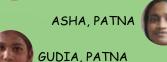


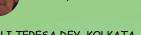






KIRUTHIKA S, CHENNAI







#### **SUPPORT TEAM**

RAJASHREE CHAKRABORTY KOLKATA

SHREETANJALI DELHI

SABARITHA

CHENNAI

JAYAKAR G **BENGALURU** POOJA

KIRANTHI KIRAN **HYDERABAD** 

CHAMPA TIGGA RANCHI

KOKILAVANI M, CHENNAI

ANSHUL RAI **PATNA** 

Design: ROHIT KUMAR RAI

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिळार्रिय केंक्रे ● जिल्लामिलंडिया मार्क्रेक्री ● र्रुंक्थिल काक्रे ● त्रिरंगदा प्राशी



# **Editor's Column**

# हम बोलें दुनिया सुने...

ये हैं हमारे नगीने, हमारी ताकत और हमारी ख़ासियत। हमारी ख़ुबियां तो अनिगनत हैं, उनमें से हम सिर्फ पांच आपके सामने लेकर आए हैं। इसका सीधा कनेक्शन हमारी आवाज़ के इस प्यारे-हर दिल अज़ीज प्लेटफॉर्म के पांच साल पूरा होने से है। हम सबकी मेहनत-लगन की वजह से रेनबो साथी पांच साल की हो गई है।

रेनबो साथी के बड़े होने की कहानी हम तमाम बच्चों के बड़े होने की कहानी जैसी ही है। बच्चों का बडा होना प्रकृति का नियम है, उसी तरह से मानवता भरे विचार का बडा होना-फैलना समाज के विकास के लिए बेहद जरूरी। तमाम उतार-चढ़ाव, मुश्किलों को झेलते हुए, यहां तक कोरोना

महामारी के भीषण दौर का सामना करते हुए भी हमने अपनी आवाज को दुनिया को सुनाने का सिलसिला नहीं रोका। कोरोना काल में जहां अपने-अपनों का साथ छोड रहे थे, मुसीबत में मदद करने से इनकार कर रहे थे, अस्पताल तक पहुंचाने वाले लोग नहीं थे, रेनबो परिवार ने एक-दूसरे का हाथ थामे रखा, एक-दूसरे के साथ हम खडे रहे, सारी सावधानियों को बरतते हुए हमने अपनी इंद्रधनुषी एकता को कायम रखा।

यह मिसाल-निश्चित तौर पर बेमिसाल है।

हमें खुद पर फ़ख़ है, खुद पर गर्व है कि हम रेनबो होम्स की संस्थागत देखभाल के मक़सद को पूरी तरह से लागू किया। रेनबो साथी के जरिये इसके विविध रूप हमने एक-दूसरे और बाकी दुनिया के साथ बांटें। इन पांच सालों में हमने बहुत कुछ सीखा- हमने जाना कि चाइल्ड जर्निलस्ट और सिटीजन जर्निलिस्ट होने का मतलब क्या होता है। कैसे हम अपने विचारों के जरिये अपने दुख, अपनी यात्रा, अपने संघर्ष, अपनी सफलता, अपने बड़े होने, जागरूक नागरिक बनने की कहानियां दुनिया के सामने पूरे आत्मविश्वास के साथ रख सकते हैं। अपनी क्षमता में विस्तार कर सकते हैं और अपनी काबलियत का दुनिया से लोहा मनवा सकते हैं। हम सिर्फ अपने भले या अपने संगी साथियों के भले के लिए ही नहीं सोचते

या काम करते हैं। बल्कि हम चाहते हैं कि जिस जगह हम रहते हैं, जिस गली-जिस शहर-जिस देश से हमारा वास्ता है, जिस दुनिया में हम आएं हैं- वहां हर जगह खुशहाली हो, मुस्कुराहट हो, प्यार हो। बस यही है, हमारा सपना, जिसे पुरा हम ज़रूर करेंगे।

पांच साल का सफर सबको बहुत

हम लड़ेंगे, हम जीतेंगे !!!

#### We speak, the world listens.

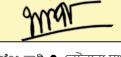
These are our five gems! They are not just our strengths but also our USPs. Though we can say that we have a lot many positive aspects, but we are bringing here five selected ones for you. And, these all are directly related to our this lovely, adorable platform turning five. Due to hard work and efforts of all of you, Rainbow Sathi has entered into 6th year of publication.

The story of coming of age of Rainbow Sathi is quite similar to all of us getting mature. Growing up of children is a natural phenomenon and in the same manner growing up or dissemination of an idea filled with humanity is quite essential for the development of the society. We faced a lots of ups and downs, many problems and even this turbulent period of Covid-19 pandemic, but we never let anything muzzle our voices. We kept it echoing to the world. In the corona times, when people were even abandoning their loved ones, refusing to help those in need and no one was there to take patients to the hospitals, our Rainbow family kept holding

each other's hands quite tightly. We were together and while taking all due precautions and care, we kept our rainbow unity strong.

This was exemplary. We are proud of ourselves; we are proud that we were able to fulfil the goal of institutional care in true spirit. Through Rainbow Sathi, we shared the various dimensions of this experience within ourselves and with others. We have learned aa lot in these five years. We learned, what it means to be a child journalist and citizen journalist. How can we share our pains, our struggles, our journey, and our success stories—and stories of our becoming mature and responsible citizens—in front of everybody through our ideas. We are capable of our flying high and make others recognize our capabilities. But, we don't just think about ourselves or our friends and peers. We wish and work for betterment of the place we live, the city and country we belong to and the world we were brought in. We wish everyone to be happy and feel loved. That is what we dream and together we all are going to realise this! We wish everyone five years of this beautiful

WE SHALL FIGHT, WE SHALL WIN!!!







(बरेन(वा मार्थ

দ্ধ

ரெயின்போ சாத்

ক ক

ටිගාබින්

रेनबो साधी

RAINBOW SATHI

I realized the importance of education during undergraduate studies, as I was a school dropout. My education got discontinued after 5th grade and at that time I had lost all hopes of going to school ever again.

I was rescued from child labor and

prevented from a forced child marriage, all due to help from Rainbow Homes. But I struggled a lot upon my readmission to school. I developed a complex as other students in my class could read and speak well. I was even afraid to ask for help in my studies.

I always had a dream of becoming a fashion designer. I got good marks in 10th and 12th classes. Stepping into my dream I got admission in NIFT Tiruppur. I was stunned with college background and the fee structure. But I also felt blessed to get admitted to an institute where getting seat wasn't so easy. I will not miss this opportunity and give my best to shine like a star one day.

I will not give-up studies now. I wish to study more and get when I get a good job, I would like to sponsor a child to continue its education in the same manner as Rainbow Homes did for me. Education changed my life and all my sorrows vanished away. Likewise, I want to see the change in lives of future generation.

I am focused and dedicated on what I want to become. Education is the key to my success.



में अम्या हूं और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन में अंतिम वर्ष की फैशन डिजाइन छात्रा हूं। शिक्षा ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। शिक्षा न केवल हमारी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का साधन बनती है, बल्कि शिक्षा के बिना सार्थक जीवन बिताना संभव नहीं है। वह हमें समझ देती है और हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है।

मुझे शिक्षा के महत्व का अहसास बड़ी क्लास में जाकर हुआ। मैं तो एक स्कूल ड्रॉपआउट थी। 5वीं कक्षा के बाद मेरी पढाई छट गई थी। उस समय तो मैंने फिर कभी स्कूल जा पाने की उम्मीद ही छोड़ दी थी। लेकिन फिर रेनबो होम की मदद से मुझे बाल मजदूरी से भी निकाला गया और मेरे जबरन बाल-विवाह को भी रोका गया था। जब मैंने स्कूल में दोबारा दाखिला लिया तो मुझे काफी मुश्किल का सामना करना पडा। मेरी कक्षा के अन्य बच्चे अच्छा पढते और बोलते थे और मैं अपने आपको कमज़ोर और कमतर महसूस करती थी। मुझे पढ़ाई के लिए मदद मांगने में भी डर लगता था।

मेरा हमेशा से ही फैशन डिजाइनर बनने का सपना था। मेरे 10वीं और 12वीं कक्षा में अच्छे अंक आए। अपने सपने को पूरा करने की दिशा में अगला कदम बढा जब मुझे एनआईएफटी तिरुप्पूर में सीट मिल गई। मैं कॉलेज का माहौल और फीस देखकर शुरू में दंग रह गई थी। फिर मैंने अपने आपको सौभाग्यशाली समझा। मुझे अहसास हुआ कि मुझे वहां दाखिला मिला है जहां आसानी से यह मौका सबको नहीं मिलता। मैं इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहती और मुझे अपने आप पर विश्वास है कि एक दिन मैं सितारे की तरह चमकुंगी।

मैं अब पढ़ाई नहीं छोड़ंगी। मेरी इच्छा है कि मैं खूब पढ़ाई करूं और फिर अच्छी नौकरी पाकर किसी जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा जारी रखने में मदद करूं, बिल्कुल उसी तरह जैसे रेनबो होम ने मेरे लिए किया। शिक्षा ने मेरी जिंदगी बदल दी और मेरी तकलीफों को दूर कर दिया। इसी तरह मैं आने वाली पीढी के जीवन में बदलाव देखना चाहती हूं।

मैं अपने मकसद के लिए समर्पित हूं। शिक्षा ही मेरी सफलता की कुंजी है।



# **Education is my safeguard**

I am DIVYA Lakshmi and studying in 8th class. I came to Rainbow Home in 2016. When I came here, I knew nothing, I couldn't read and write. Earlier, I use to go to Anganwadi nursery. But my family conditions forced me to discontinue my schooling. My mother died due to cancer and father died in a road accident. Then, my brother too passed away.

Then, Raja Babu Anna (ex-employee of Chennai Rainbow Homes) found me and that is how I got into Chethpet Girl's Home. I was admitted into a bridge course for two years. I regularly attended classes. I slowly started understanding the concepts. Initially I struggled to write but now I am able to read and write.

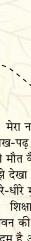
Education brought light in my life. I feel confident and I am now able to help others. My education is my safeguard as well as means to fulfill my needs. As I want to live an independent life when I grow up, good education is the first step in that direction.

My advice for my friends and peers is that we should study well and should not be dependent on others. We should not wait for something or keep sulking because of our past. We should believe in education. That is what makes difference in our lives. There is nothing more important for us at this juncture.



मेरा नाम दिट्या है और मैं 8वीं क्लास में पढ़ रही हूं। मैं 2016 में रेनबो होम आई थी। जब मैं यहां आई तो मुझे कुछ नहीं आता था। मैं लिख-पढ़ नहीं सकती थी। पहले तो मैं आंगनवाडी नर्सरी में जाती थी. लेकिन फिर परिवार के हालात की वजह से मझे वह भी छोडना पड़ा। मेरी मां की मौत कैंसर से हो गई और पिता एक सड़क हादसे में चल बसे। फिर भाई की भी अचानक मौत हो गई। तब रेनबो होम्स के राजा बाब अन्ना ने मुझे देखा और वह यहां लेकर आए। फिर मैं चेटपेट गर्ल्स होम में आ गई। मुझे दो सला के ब्रिज कोर्स में दाखिला मिला। मैं रोजाना क्लास जाती थी। धीरे-धीरे मुझे चीजें समझ में आने लगी। पहले तो लिखने में दिक्कत होती थी लेकिन अब में लिख-पढ सकती हैं।

शिक्षा मेरी जिंदगी में रोशनी लेकर आई। मुझमें आत्मविश्वास आया और मैं दूसरों की मदद करने के काबिल बनी। शिक्षा मेरा कवच भी है और जीवन की जरूरतों को पूरा करने का साधन भी। चूंकि मैं बड़ी होकर एक अच्छा व स्वतंत्र जीवन जीना चाहती हूं, इसलिए उस दिशा में मेरा पहला कदम है अच्छी शिक्षा हासिल करना। मेरी सबको यही सलाह रही है कि शिक्षा हमें आत्मिनर्भर बनाती है। हमें न तो किसी चीज का इंतजार करना चाहिए और न ही अपने अतीत को लेकर दुख में डूबे रहना चाहिए। हमें शिक्षा में भरोसा रखना चाहिए। उसी से हमारे जीवन में फर्क पड़ेगा।



RAINBOW SATHI

ರೈನ್ಬ್ಯೂ

ரெயின்போ சாத்தி

মু জ

రెయిన్బో

रेनबो साधी

**Our core values** 

are to teach

them how to

# ರೈನ್ಬ್ಯೋ ಸಾಥಿ ரெயின்போ சாத்தி రెయిన్బో रेनबो साधी

# These Are Our **Five Beautiful Gems**

 $R^{
m ainbow\,Homes\,have}_{
m evolved\,around\,a}$ very humble, inclusive and comprehensive idea of care. Through this we made this partnership based rainbow concept as our point of departure and tried to ensure the overall development of the children. Now, after all these years I perceive everything by the development that has taken place in these kids.

We firmly believe that proper care is every child's right. Once they get care, only then they will be develop as caring citizens, they will become responsible towards their family and society. They will create a harmonious society and our country will become a nation based on principles of humanity, love and fraternity. Our children reflect these basic principles at many times and in numerous ways, whether it is through the three-sister group or through the way elder children take the care of the younger ones. They even keep caring them for them even when they move out of Home by helping them in their studies kids without any support system are always most

and career. This love becomes the part of their personality. Many of them will take care of their family members back home, while few young adults will join professions related to caring. Few of them will go to nursing, teaching or other medical fields. Thus the urge to take care will remain



the guiding principle for them to choose their careers. Few of them will go to fields of social work as they will feel their future there.

One important thing that develops in kids here is feeling of self-care, loving oneself. Because of the back background they come from, self-care makes their personality firm and strong. On the basis of this they get the courage to share, to keep on developing, spirit of fighting- all

with a positive attitude.

When our kids were on streets, they always had to face abuse in the hands of adults. Because of this it is always difficult to make them have confidence in adults. This is a tough process and that makes these children very special. Once they come to Rainbow Homes, they start building confidence on elders, their families and the society in general. The self confidence of these children has been instrumental in teaching them skills to survive themselves. They learned this skill facing all types of struggles in the life and that made them able to reach here. These homeless

> vulnerable. Often hunger makes them helpless and are even ready to face the physical abuse to survive in this world. Out motive is to increase their self-confidence so that the become capable of facing this world strongly. For this they need to know about their rights and entitlements. This gives them the confidence

to fight for their share. They all have firm belief in Rainbow Homes and its support structure. They are confident that whatever might happen, Rainbow team is firmly behind them. Now their families are dependent on them. During the times of pandemic their families also realized that how dependable they are. Today we are proud of the fact that these kids and young adults are displaying their confidence to the world.

Our children have capability to stand up and prove themselves, and actually they have attained this even before we reach to them. Their inner strength and resilience is amazing and they prove it at ever stage. Once they are at Rainbow Home we work together to increase their capabilities and improving

their academic skills. They have the passion to fill the gap very quickly. The point to note is that these kids start their formal education very late due to their backgrounds, Normally, their education will start only when they reach the age of 10 or 11. Once they are at Home, they are enrolled for bridge course and training before joining regular schools and classes of their age. But they learn quickly thereafter. They have aptitude for learning new things. They prove that how essential it is for every child to get an equal opportunity. Once they get it, they aim to fly.

Our constitution says that everyone has right to equal opportunity. Once these children get their share of opportunity they display their capability. They also provide the examples of giving back to families and the societies. They just don't make wonders with a

little opportunity they get, but also teach some lessons to the elders too.

ರೈನ್ಯಬೋ

ரெயின்போ சாத்தி

কু কু

రెయిన్బో

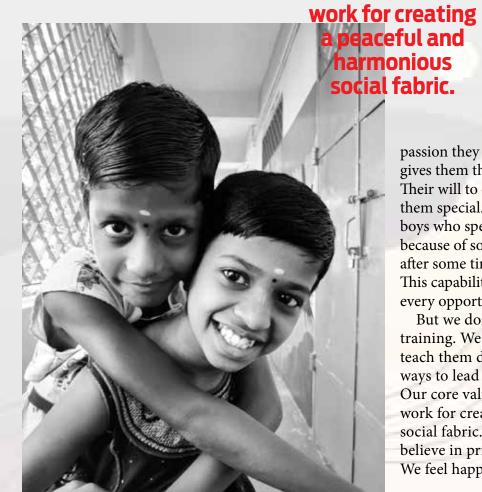
रेनबो साधी

RAINBOW SATHI

But at times, it also happens that even though few children reach us, due to some unforeseen circumstances, they leave us again. They drop out of their studies, their education and skill trainings are halted midway. They are back to struggles of their lives. But whatever confidence and

passion they have gained at Rainbow Homes, gives them the strength to stand up again. Their will to overcome every struggle makes them special. I know many such girls and boys who spent few years with us, then left us because of some problems but came back to us after some time with dreams of dignified lives. This capability and willpower make them use every opportunity coming their way.

But we don't just talk about education and training. We also talk of life skills. We also teach them democratic values, humanity and ways to lead a life filled with joy and courage. Our core values are to teach them how to work for creating a peaceful and harmonious social fabric. We thrive to inspire them to believe in principles of peaceful coexistence. We feel happy when this becomes the reality



SATHI

Care is every

child's right.

Once they

get care, only

then they will

be develop as

caring citizens

साधी

रेनबो

RAINBOW

RAINBOW

of their lives.

The goal of the institutional care is to give a space and platform to all those who are away from their biological families, so that they can a lead a rightful and dignified life without any fear. This is the concern they receive, and this is the concern they reciprocate. I feel very satisfied when if a young kid is unwell or is weak, then elders will themselves take care of it. They all have been deprived of their opportunities so far before coming here, but they never try to snatch any opportunity

going any other way to anyone else. They are not jealous, instead they are supportive. If at home any weak or unwell child gets some special attention or food, they don't object to it because they ae equally concerned. That is the reason that children with need of special care make wonderful achievements at times.

These might sound very small things but they have very deep human understanding. Rainbow Homes are in abundance of such beautiful qualities. K. Anuradha, Executive Director **Rainbow Homes Program** 

# हमारे ये पांच चमकते नगीने

🕇 नबो होम की कल्पना बच्चों की देखरेख के एक मानवीय, समावेषी 🔻 और व्यापक विचार के चारों तरफ बुनी गई है। इसी के जरिये हमने सहभागिता पर आधारित एक इंद्रधनुषी अवधारणा को अपना प्रस्थान बिंदु बनाया और बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने की कोशिश की। इतना वक्त गुजरने के बाद, बच्चों के अंदर क्या विकास दिखाई देता है, वहीं से मैं सारी चीजों को देखती हं।

हमारा मानना है कि बच्चों का अधिकार है केयर पाना और इसके बाद ही वे खुद एक दूसरों का ख्याल रखने वाले (caring citizen) के तौर पर विकसित होंगे। वे अपने परिवार और समाज के प्रति जवाबदेह बनेंगे। समाज का ताना-बाना समरसता वाला बनेगा। और इस तरह से हमारा देश मानवता पर आधारित-प्रेम और भाईचारे से भरपूर राष्ट्र बन जाएगा। हमारे बच्चों में इन बुनियादी सिद्धांतों की चमक अनिगनत मौकों पर और अनिगनत ढंग से दिखाई देती है, चाहे वह रेनबो होम में तीन बहनों का समूह (three-sister group) हो या फिर बड़े बच्चों के द्वारा छोटे बच्चों का ध्यान रखना। होम से बाहर जाने के बाद भी वे छोटे बच्चों का ध्यान उसी तरह से रखते हैं, उन्हें पढ़ाई व कैरियर में गाइड करते रहते हैं। यह बहनापा-बंधुत्व बच्चों की पर्सनलिटी का अभिन्न हिस्सा है। बहुत से बड़े बच्चे अपने परिजनों का ध्यान रखते है और बहुत से यंग एडल्ट केयरिंग से जुड़े प्रोफेशन ज्वाइन करते हैं। बहुत सी यंग एडल्ट नर्स बनती हैं, टीचर बनती है, मेडिकल फील्ड में जाते हैं। यानी, सेवा का भाव उनके कैरियर के चुनाव में अहम (guiding principle) रहता है। बहुत से बच्चे सोशल वर्क के प्रति आकर्षित होते हैं, वे समाज सेवा में अपना विकास

इससे भी बड़ी बात है कि ये लड़कियां ख़ुद से प्रेम करने लगती हैं। सेल्फकेयर बहुत अहम भाव है, जो इन लडिकयों में रेनबो होम आने के बाद ही विकसित होता है। जिस पृष्ठभूमि से बच्चे आते हैं उसमें खुद से



प्यार करना उनके व्यक्तित्व को दृढ़ता और मजबूती मुहैया प्रदान करता है। इस आधार पर ही उन्हें ख़ुद को शेयर करने, विकसित करने का लगातार हौसला बना रहता है, वे संघर्षशील बने रहते हैं, पॉजिटिव एटिट्युड

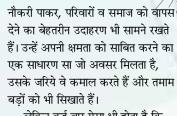
हमारे बच्चे जब सड़क पर थे, तब वे

अक्सर शोषण का शिकार होते थे। ऐसे में उनके लिए बड़ों पर भरोसा बनाना एक मुश्किल प्रक्रिया है और यह इन बच्चों को बहुत खास बनाती है। रेनबो होम आने के बाद उनका बड़ों पर, अपने परिवारों पर और समाज पर भरोसा सुधरता है। इन बच्चियों का आत्मविश्वास उनके जिंदा रहने की कला या दक्षता का अभिन्न हिस्सा रहा है। जिंदगी की मार-कठिनायों को झेलते हुए उन्होंने खुद को जिंदा रखने की जो कला सीखी, उसी की बदौलत वे यहां तक पहुंच पाईं। बेघरबार होना, बिना किसी सपोर्ट सिस्टम के होना अनगिनत बच्चों-बच्चियों को अकाल मौत में ढकेल देता है। कभी भूख खा जाती है तो कभी शारीरिक उत्पीड़न झेलते हुए वे लाचार हो जाते हैं। हमारी कोशिश रहती है कि उनके सेल्फ कॉन्फिडेंस को और बढाया जाए, ताकि वे दुनिया का मजबूती से सामना कर सकें। इसके लिए बुनियादी चीज है उन्हें अपने हक और अधिकारों

के बारे में पता होना, इससे उन्हें यह विश्वास होता है कि वे लड़कर अपना हिस्सा ले सकते हैं। इन तमाम बिच्चयों और बच्चों को रेनबो होम पर, उसके सपोर्ट सिस्टम पर पूरा भरोसा है। उन्हें यह विश्वास है कि कोई भी संकट हो, रेनबो होम्स उनके साथ खड़ा है। अब उनके परिवार इन बच्चों पर निर्भर है। कोरोना काल में तमाम परिवार को बच्चों की क्षमता पर भरोसा हुआ, उन्हें लगा कि वे मदद करेंगे। माता-पिता और बेघर माओं को अब अपने यंग एडल्ट के आत्मविश्वास पर पूरा भरोसा है, वे बहुत हद तक इन पर निर्भर भी है। आज हमें इस बात का फख़ है कि रेनबो होम्स की बच्चियां-बच्चे, यंग एडल्ट परिवार और दुनिया को अपने आत्मविश्वास की ताकत से वाकिफ़ करा रहे हैं।

जहां तक क्षमता की बात है, तो हमारे बच्चों में खडे होने की क्षमता बहत तगडी है और हमारे उन तक पहुंचने से पहले ही उन्होंने यह क्षमता अख़्तियार कर ली होती है। इन बच्चों की आंतरिक क्षमता व मजबूती अभूतपूर्व है। हम उन तक पहुंचे उससे पहले ही वे अपने हर हाल में खुद को ढालने की मिसाल पेश कर चुके होते हैं। रेनबो होम टीम के साथ मिलकर वे अपनी क्षमता को बढ़ाने, पढ़ाई करने व कौशल हासिल करने में कड़ी मेहनत करते हैं। सीखने के अंतर को पाटने का उनका ज़ज़्बा शानदार होता है। यहां यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि हमारे बच्चे देर से औपचारिक स्कूली शिक्षा शुरू कर पाते हैं। सामान्य तौर पर 10-11 साल के बाद ही वे स्कूली पढ़ाई से रू-ब-रू हो पाते हैं। होम आने के बाद ब्रिज कोर्स-ट्रेनिंग के बाद वे स्कूलों की तरफ बढ़ते हैं। उसके बाद वे तेजी से पढ़ना-लिखना सीखते हैं, ज्ञान हासिल करने की उनकी लालसा अदम्य होती है। सीखने की क्षमता उनमें उल्लेखनीय है। वे यह साबित करते हैं कि ख़ुद को साबित करने के लिए अवसर मिलना कितना जरूरी है, अवसर मिले तो वे छलांग मारने को तैयार है।

देश का संविधान कहता है सबको समान अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में होम के बच्चे भरपूर अवसर लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते है। वे पढ़ने के बाद



लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि हम कुछ लड़के-लड़कियों तक पहुंच तो जाते हैं, लेकिन बीच में उनके जीवन की अपरिहार्य घटनाओं की वजह से वह दूर चले जाते हैं। उनकी पढाई की सिलसिला रुक जाता है, ज्ञान और कौशल हासिल करने की कड़ी टूट जाती है। वे वापस

मुश्किलों के दौर में फंस जाते हैं। जीवन का चक्र ऐसा ही है। लेकिन रेनबो होम से मिला विश्वास, हक-अधिकार की कुंजी और उससे भी अधिक गरिमामय जीवन जीने की उनकी आंतरिक चाह, उन्हें दोबारा खड़े होने का संबल देती है। जीवन में हार या संकट को धता बताकर उबरने की काबलियत इन बच्चों को खास बताती है। मैं ऐसी बहुत ही लड़िकयों-लड़कों को जानती हूं, जिन्होंने कुछ साल रेनबो होम्स से गुजारे, फिर वे मुश्किलों में घिरे-होम से बाहर चले गए, लेकिन वे दोबारा आए-बेहतर-गरिमामय जिंदगी जीने

का सपना लिए—यह काबलियत उनकी जिजीविषा की निशानी है। इस तरह से चाहे वह दूसरा, तीसरा या चौथा कोई भी मौका-अवसर हो, वे उसे पूरी काबलियत से इस्तेमाल करने का हुनर रखते है।

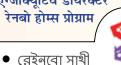
रेनबो होम्स में सिर्फ पढाई और स्किल की बात नहीं होती, यहां जीवन के ज्ञान की बात भी होती है। जीवन की शिक्षा में लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवतावादी मूल्यों और उमंग व उत्साह से जीवन जीने का सलीका सिखाना शामिल है। किस तरह से हमें सौहार्द्रपूर्ण व शांतिपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करना चाहिए, इस दिशा में बढ़ना चाहिए- ये मूल्य ही हमारे संस्थान के केंद्रीय भाव है। हमारी कोशिश होती है कि हम अपने बच्चों को शांतिपूर्ण सहजीवन और 'जिओ और जीने दो' के सिद्धांत पर अपने जीवन को चलाने की प्रेरणा दें। खुशी और संतोष इस बात का है कि यह उनका जिया हुआ यथार्थ बन गया है। संस्थागत देखरेख का लक्ष्य है कि इस तरह के स्पेस में अपने जन्म देने वाले माता-पिता से दूर रहने वाले बच्चों को किसी भी तरह की असुरक्षा के भाव से मुक्त कर, पूरे अधिकार व गरिमा से जीवन जीने के लिए प्लेटफार्म दिया जाए। मुझे यह देखकर अच्छा लगता है कि होम में अगर कोई बच्ची बीमार है, या कमजोर है, तो बाकी सब खुद ही उसकी मदद करने के लिए आते हैं, संबल देते हैं। यहां बच्चों के पास अवसर कम होते हैं, ऐसे में भी वे एक दूसरे से ईर्ष्या नहीं करते या एक दूसरे का अवसर-मौका छीनने की कोशिश नहीं करते। बीमार बच्चे के लिए खास भोजन का इंतजाम होता है, तो सबको अच्छा लगता है, कोई इस पर आपत्ति नहीं करता। यह खूबी दुर्लभ है। यही वजह है स्पेशल केयर की ज़रूरत वाले बच्चे अनेक क्षेत्रों में कमाल का प्रदर्शन करते हैं। यह बातें छोटे-छोटी दिखती हैं लेकिन इनके पीछे बहुत गहरी मानवीय समझ और सोच होती है। ये तमाम खूबियां चमकती हैं रेनबो होम में।

के. अनुराधा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रेनबो होम्स प्रोग्राम



बड़ों पर भरोसा बनाना

एक मुश्किल प्रक्रिया है



# शिक्षा हो सब बदल सकती है



Ramanti Kumari. B. com, Anishabad Rainbow Home, Patna

श्रिक्षा हमारे जीवन की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। शिक्षा हमारे आत्मविश्वास को विकसित करती है। शिक्षा से एक अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होने में मदद मिलती है। उचित शिक्षा मनुष्य के भविष्य के लिए कई रास्ते खोल देती है जिससे वे अपने जीवन को एक कामयाब जीवन बना सकते हैं। शिक्षा से ही एक अच्छे समाज और देश का निर्माण और उसकी बेहतरी संभव है।

## **EDUCATION CAN CHANGE** ANYTHING

ducation is one of the biggest necessities Lof our life. Education develops our self-confidence. Education also helps in building a good personality. Proper education opens many doors for the future of any person so that it can lead a successful life. Building of a nation and welfare of a good society becomes possible through education.

जब मैं रेनबो होम में पहली बार आई थी तो मुझे किसी भी चीज़ की जानकारी नही थी। जब मैं स्कुल गई और पढाई की तो फिर धीरे-धीरे मेरे अंदर बदलाव आने लगा। रेनबो होम में रहते-रहते और पढ़ाई करते हुए साफ-सफाई में रहने लगे, अच्छे से बात करना सीखा। सब से ज्यादा मेरा आत्मविश्वास बढा किसी के सामने अपनी बात को रखने का, बोलने का और किसी को कुछ भी समझाने का। मैंने कंप्यूटर क्लास व इंग्लिश क्लास में दाखिला लिया जिससे हमें नई जानकारी मिली और यह भी जाना के अंग्रेजी आज के जीवन में कितनी ज़रूरी है। शिक्षा ही एकमात्र साधन है जिसे प्राप्त करके हम अच्छा जीवन यापन कर सकते हैं।

> रमंती कमारी, बी. कॉम, अनिशाबाद रेनबो होम, पटना

ed going to school and studied then slowly changes started coming for me. While living at Rainbow Home and studying, I learned to maintain hygiene and speak well. Above all, my self-confidence got good enough to speak in front of others. I joined computer and English classes, which were source of new information. We also learnt how important English is in today's life. Education is the only means through which we can lead a good life.

### **EDUCATION** LEVERAGED MY **IMPORTANCE**



Mausam. Class 12th, Khilkhilahat Rainbow Home, Patna

We all know, how important is education for our life. We can also consider receiving education as one of our man priorities. Better education is very necessary for everyone to grow and achieve success in life. To be successful and

do something different in life, education is an important tool.

Only when I came to Rainbow Home, I realized how important is education to us because while at home I was not able to have access to good education. When I came here, I didn't know how to read and write, so I was given a bridge course so that I could learn quickly and reach the level of class according to my age. I was enrolled in class 6th after getting bridge course.

ගිගෙ

ರೈನ್ಬೋ

**E** 

**FILE** 

ரெயின்போ

পুঞ্চ

రెయిన్బో

रेनबो साथी

RAINBOW SATHI

Similarly, Rainbow Home has done a lot for our better education. We have been enrolled for spoken English course, NIIT computer course, other workshops and many more activities which were important for our betterment. They are quite beneficial for us. We are deemed as educated and our personality gets better. Because of help from Rainbow home and some hard work, I passed 10th exam with first division. Now I am a student of class 12th and my aim is to become an IAS officer. I sincerely hope that I will become a successful IAS officer in my future.

Now whenever I go to my home, all the people living nearby in will come and talk to me about studies. If they have any work, they will ask for my help. I am very happy and satisfied to see this all.

### शिक्षा मिली तो मेरी अहमियत बढ़ी

हम सभी जानते हैं कि शिक्षा का महत्व हमारे जीवन के लिए कितना है। हम शिक्षा हासिल करने को अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक भी मान सकते हैं। बेहतर शिक्षा सभी के लिए जीवन में आगे बढ़ने और

सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत जरूरी है। जीवन में सफल होने और कुछ अलग करने के लिए शिक्षा बहुत बड़ा साधन है।

जब से मैं रेनबो होम में आई हूं तब से मुझे महसुस हुआ कि शिक्षा हमारे लिए कितनी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुझे घर पर रहनकर इतनी बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही थी। जब में रेनबो होम में आई थी तब में पढना-लिखना नही जानती थी। मुझे ब्रिज कोर्स कराया गया ताकि मैं जल्दी सीख सकुँ और अपनी उम्र के हिसाब से अपनी क्लास के स्तर पर पहुंच सकूँ। मुझे ब्रिज कोर्स करवाने के बाद छठी क्लास में नामांकित किया गया। हमारी बेहतर शिक्षा के लिए रेनबो होम ने कई सारी कोशिशें की जाती हैं, जैसे स्पोकन इंग्लिश कोर्स, एनआईआईटी से कंप्यूटर कोर्स, वर्कशॉप और ऐसी कई एक्टिविटी जो हमारे लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इन सबसे हम न केवल पढ़े-लिखे माने जाते हैं बल्कि हमारे व्यक्तित्व के निर्माण में भी मदद मिलती है। रेनबो और मेरी मेहनत के कारण मैंने 10वीं की परीक्षा प्रथम डिवीजन से पास की और अब मैं कक्षा 12वीं की छात्रा हूँ। मैं एक आईएएस अफसर बनना चाहती हूं। मुझे पुरी उम्मीद है कि मैं अपने भविष्य में एक सफल प्रशासनिक

अब में जब भी घर जाती हूँ तो मेरे घर के आसपास रहने वाले सभी लोग मुझसे पढाई की बातें करते हैं। उन्हें कुछ भी काम होता है तो वो मुझे बोलते है। यह देख कर मुझे बहुत खुशी होती है।

कक्षा 12वीं, खिलखिलाहट रेनबो होम, पटना

RAINBOW When I first came to Rainbow Home, I didn't know anything. Only when I start-

RAINBOW SATHI ● रेजबो साथी ● ठेळार्रिध रोजिक ● जिल्लामिक अप्तर्थ कार्क ● दिल्लामिक अप्तर्थ कार्क ● दिल्लामिक स्वर्थ कार्क ■ दिल्लामिक स्वर्थ कार्क मिक स्वर्थ कार्क ■ दिल्लामिक स्वर्थ कार्क मिक स्वर्थ कार्क मिक स्वर्थ कार्क मिक स्वर्थ कार्क मिक स्वर्थ कार्य का



ரெயின்போ சாத்தி

రెయిన్బో

रेनबो साधी

SATHI

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिळार्रिय रोज ● जिल्लामा कार्क्षे ● ज्रुज्था रूक् ● (त्र्रेनवा प्रार्थी

# ටිගා වික් ආශි रेनबो SATHII RAINBOW

### Defining core values of Rainbow Homes



Five things weave the whole concept of Rainbow Homes, the 5Cs. Care is an overarching philosophy, be it physical, mental, emotional or educational. Whether for children in the Homes or to the young adults who move ahead

to live independent lives, we strive to provide a caring touch at every point. Care which makes the children feel secure, happy and lead them to a healthy life.

Care infuses confidence, helps us move forward with people and opportunities, not back away from them. Confidence building sessions and workshops are conducted which help in defining identity, personality development, recognizing your strength and weakness. Children get sure of their abilities which is very crucial to enhance confidence building.

Once they are confident, you need to work upon the capabilities of individuals. Capacity building through trainings and workshops foster a sense of ownership and empowerment, so they gain greater control over their own future development. In-house training sessions on capacity building





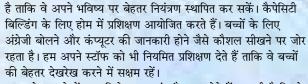
# रेनबों होम्स के बुनियादी मूल्यों की पहचान

पाँच बातें हैं जो मिलकर रेनबो होम्स की अवधारणा का पूरा ताना-बाना बुनती हैं। केयर यानी देखभाल एक व्यापक दर्शन की तरह है, चाहे वह भौतिक हो, मानसिक और भावनात्मक या फिर शैक्षणिक। अब वे भले ही होम में रहने वाले बच्चे हों या फिर होम से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर जिंदगी जीने वाले युवा, हमारी कोशिश हर बिंदु पर उनकी पूरी देखभाल की होती है। ऐसी देखरेख जो बच्चों को सुरक्षित व प्रसन्न महसूस कराती हो और स्वस्थ जीवन का अहसास

समुचित देखभाल से आत्मविश्वास बढ़ता है और वह व्यक्तियों व अवसरों को लेकर आगे बढ़ने का हौसला देता है, पीछे हटने का नहीं। आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के सत्र और कार्यशालाएं

आयोजित की जाती हैं जो अपनी पहचान परिभाषित करने, व्यक्तित्व निर्माण करने और अपनी ताकत व कमजोरियों को पहचानने में मदद देता है। बच्चों में अपनी क्षमताओं को लेकर भरोसा बनता है जो आत्मविश्वास बढ़ाने में अहम रहता है।

एक बार उनमें आत्मविश्वास आ जाए तो आप उनकी क्षमताओं को बढ़ाने का काम करते हैं। प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से क्षमताएं बढ़ाकर उनमें सशक्तीकरण की भावना जागृत की जाती

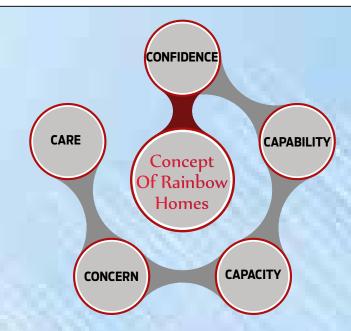


प्रत्येक बच्चे में कुछ विशेष क्षमताएं और गुण होते हैं। जरूरी है कि वे उन्हें पहचानें और उनमें निरंतर निखार लाएं। हम विभिन्न गतिविधियां व प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करते हैं ताकि उनकी क्षमताओं को उच्च स्तर तक ले

अपने आसपास के लोगों की चिंता किए बगैर हम एक अच्छे नागरिक के तौर पर विकसित नहीं हो सकते। महामारी के दौरान भी

हमारा प्रमुख चिंता यही थी कि रेनबो होम्स के बच्चों व उनके परिवारों की शारीरिक और मानसिक सेहत का विशेष ख्याल रखें। इनडोर गतिविधियां खूब आयोजित की गईं लेकिन आउटडोर गतिविधियां बंद रखी गईं। इस सारे दौरान चूंकि स्कूल बंद रहे, इसलिए बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त रखना चनौतीपर्ण काम था लेकिन हमने वह किया।

> अफसर आलम स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, दिल्ली



are organised. Soft skills like English speaking, computer literacy etc. are focused upon. Training is provided to staff as well, because their capacity building is equally important to help them take better care of the children.

we strive to provide a caring touch at every point. Care which makes the children feel secure, happy and lead them to a healthy life.

Every child has some special potential and abilities, what they need is to just realize it and improve upon them constantly. We organize different activities and competitions to take their potentials to the optimum level.

Without having concern for people around us, we cannot grow as good citizens. During pandemic period also, our main concern had been the mental and physical health of the children and their families. Indoor enrichment activities were regularly conducted but no outdoor activities were done. With schools closed during all this period, it was hard to engage children in their extracurricular activities actively. But we managed it. Afsar Alam,

State Program Manager, Delhi

ರೈನ್ಬ್ಯೋ

**E** 

**GILL** 

ரெயின்போ

মু জ

ටිගානින්

रेनबो साधी

RAINBOW SATHI

#### Life was changed totally

Tam studying in St. Mary's school. Before Looming to Khushi rainbow home, I was living in Jama Masjid and used to beg in the roads. One day a Rainbow home field worker brought me to this home for a better life. When I reached Khushi Rainbow Home, I got all the necessary facilities which I never thought of. Rainbow Home provided all things which are most required for growing childgood education, nutrition, shelter and clothing etc. After coming to this home, my life totally changed, and I am very happy to be here. I want to study and want to achieve my

Pinky, 17 yrs, Std 11th,

#### मेरी तो जिंदगी ही बदल गई

में सेंट मैरीज स्कूल में पढ़ रही हूं। खुशी रेनबो होम में आने से पहले मैं जामा मस्जिद में रहती थी और सडकों पर भीख मांगती थी। एक दिन रेनबो होम के एक फील्ड वर्कर मुझे बेहतर जीवन के लिए इस होम में लेकर आए। रेनबो होम में आने के बाद मुझे

वे सभी जरूरी सविधाएं मिलीं, जिनके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। रेनबो होम में वे सभी चीजें उपलब्ध

कराई गईं, जो किसी बढते बच्चे के लिए सबसे अधिक जरूरी हैं- जैसे कि अच्छी शिक्षा. पोषण, अच्छा आहार, आश्रय और कपड़े आदि। खुशी रेनबो होम में आने के बाद मेरी जिंदगी पुरी तरह से बदल गई और मैं यहां रहकर बहुत खुश हं। मैं आगे बहुत पढाई करना चाहती हूं और भविष्य में अपने लक्ष्य हासिल करना चाहती हं।

पिंकी, 17 वर्ष, कक्षा 11वीं



Chennai

রেইনবো সাখী

சாத்தி

ரெயின்போ

মু জ

ටිගානින්

रेनबो साधी

•

RAINBOW SATHI

## **Everyone** can gets a chance to give their best







I recall a lovely incident that says a lot about Rainbow Homes. A child from AKP Home left a birthday card for teacher Syed Ali Fathima, at the reception desk. On the cover she wrote, "I don't know when it is your

birthday, so I am giving you the birthday card now itself." In the card she also wrote, "I like you very much. You teach us well. You're like my mother and you are my mother." In the midst of our hectic work schedules, we may forget to take care of ourselves, but our children never stop caring and loving us.

Rainbow children are quite confident, and it is largely because they share their opinions boldly and with full passion. They participate in every discussion with full interest, and they are very enthusiastic about learning new concepts. They learn about their rights and duties also. That's why our children are

confident enough.

I would like to share one of our staff member Saral's journey with all of you as I think this is one of the best examples how capacities and capabilities increase in appropriate environment. She joined in 2014 as a teacher. With her good performance and learning skill she became Home manager and rose to second position in set-up. Then gradually she became number one Home Manager. Now having proven her leadership capability as well,

she enhanced her work field, extended her knowledge and ability to become state advocacy coordinator. Everyone is proud and inspired by her skills and knowledge. This is possible in an organisation like Rainbow Homes, where everyone gets an opportunity and chance to give their best.

Ditto for kids. No matter what the children's past lives were, once they enter Rainbow Homes all get

equal opportunities and concern. In our rainbow home programme, we work upon roles, duties, and responsibilities of children. At the core is always the concern about the children's development.

**State Documentation & Capacity** 

**Building Coordinator, Chennai** 

### सबको मिलता है अपना बेहतरीन देने का मौका

म झे एक बेहद खूबसूरत घटना याद आती है जो रेनबो होम के बारे में काफी कुछ बताती है। एकेपी होम की एक बच्ची ने अपनी अध्यापिका सैयद अली फातिमा के लिए एक कार्ड रिसेप्शन डेस्क पर छोडा। कार्ड के कवर पर लिखा हुआ था, 'मुझे यह नहीं पता कि आपका जन्मदिन कब है इसलिए मैं आपका बर्थडे कार्ड अभी ही दे दे रही हूं।' कार्ड के भीतर उसने लिखा, 'मुझे आप बहुत पसंद है। आप बहुत अच्छा पढ़ाती हैं। आप मेरी मां जैसी है।'

रेनबो होम प्रोग्राम में हम बच्चों की भिकाओं व जिम्मेदारियों पर काम करते हैं। सबके मूल में हमेशा बच्चों के समग्र विकास को लेकर चिंता रहती है।

अपने व्यस्त समय में, हम खुद का ख्याल रखना भल सकते हैं लेकिन हमारे बच्चे हमसे प्यार करना और हमारा ख्याल रखना कभी बंद नहीं करते।

रेनबो होम्स के बच्चे काफी आत्मविश्वास से भरे हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि वे अपने विचार और राय पूरे विश्वास के साथ सामने रखते हैं। वे किसी भी चर्चा में पुरी दिलचस्पी के साथ हिस्सा लेते हैं और नई धारणाओं के बारे में जाने के लिए उत्सुक रहते हैं। वे अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे

में भी जानते हैं।

मैं आपके साथ हमारी एक स्टाफ सदस्य सरल की यात्रा साझा करना चाहती हूं। मुझे ऐसा लगता है यह इस बात का सटीक उदाहरण है कि सही माहौल मिलने पर व्यक्ति की क्षमता कैसे बढ़ सकती है। वह 2014 में अध्यापक के तौर पर हमारे साथ जुडी। अपने कौशल व प्रदर्शन की बदौलत वह होम मैनेजर बनी और होम में दूसरे नंबर पर और फिर पहले नंबर पर पहुंच गईं। उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता और काम के दायरे में इजाफा किया और अब वह स्टेट एडवोकेसी कोऑर्डिनेटर हैं। वह हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह रेनबो होम्स जैसी संस्था में ही संभव है जहां सबको अपने व्यक्तित्व को निखारने का मौका मिलता है।

यही बात बच्चों के मामले में भी है। उनका अतीत व पृष्ठभूमि कैसे भी रहे हों, रेनबो होम में आने के बाद सबको बराबर ध्यान व अवसर मिलते हैं। रेनबो होम प्रोग्राम में हम बच्चों की भूमिकाओं व जिम्मेदारियों पर काम करते हैं। सबके मुल में हमेशा बच्चों के समग्र विकास को लेकर चिंता रहती है।

> स्टेट डॉक्युमेंटेशन व कैपेसिटी बिल्डिंग कॉर्डिनेटर, चेन्नर्ड



#### Rainbow Sathi study circle

ainbow Sathi is a friend to us and inspires us with the children's activities happening in other states. Through this, we get to know what other children are doing in other states. It makes us happy when we see Rainbow Sathi magazine. Children like us get a chance to be journalists here. We have formed study circle to read rainbow sathi magazine and reading the edition after receiving it.

Rainbow Sathi Study Circle, AMJ Chennai G. Sadhana 6th, S. Kirthika 7th, S. Kanchana 7th, S. Abirami 6th, P. Sathya 9th and A. Mahalakshmi 6th





**WE MAY FORGET** 

TO TAKE CARE

OF OURSELVES,

**BUT OUR** 

CHILDREN NEVER

STOP CARING

AND LOVING US.

SATHI

RAINBOW

# 龟 ரெயின்போ சாத் ටිගානින්

🚧 RAINBOW SATHI 🍨 रेनबो साथी 🍨 రెయిన్బో సాథీ 🗣 நெயின்போ சாத்தி 🗣 ్శనాడుం నాధి 🗣 (রইনবো সাখী

#### Where children learn and **ENABLE THEMSELVES!**



**In Rainbow Homes** opportunity to develop children's physical and mental well-being by creating a holistic and comprehensive care environment. It is our priority to promote their safety and independence. The children find their

way home to the place where they feel protected, loved and attain progress in their everyday life.

The children—through activities and life skill sessions—build up their confidence and a glimpse of it can be seen in their normal activities and tasks. They assume responsibility in various roles as member of different committees, programs and show courageous efforts to demonstrate themselves in the best possible

We strive to create an environment where children can learn and enable themselves with different sets of skills and abilities. At

#### बच्चे सीखते हैं और खुद को सक्षम बनाते हैं

🕇 नबो होम्स प्रोग्राम में, एक समग्र और े व्यापक देखभाल का वातावरण बनाकर बच्चों शारीरिक और मानसिक विकास सुनिश्चित किया जाता है। उनकी सुरक्षा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है। बच्चों को होम के रूप में ऐसी जगह मिलती है जहां वे सुरक्षित महसूस करते हैं, उन्हें प्यार मिलता है और रोजमर्रा की जिंदगी में तरक्की हासिल करती हैं।

बच्चे विभिन्न गतिविधियों और जीवन कौशल सत्रों के माध्यम से अपना आत्मविश्वास बढाते हैं और इसकी झलक उनकी दिनचर्या और कामकाज में देखी जा सकती है। वे विभिन्न समितियों, कार्यक्रमों के सदस्य के रूप में अपनी भूमिकाओं में जिम्मेदारी ओढते हैं और खुद को सबसे बेहतर तरीके से पेश करने का साहस भी दिखाते हैं।

हम ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश करते हैं जहां बच्चे सीखें और विभिन्न तरह के कौशल हासिल करके खुद को सक्षम बनाएं।

Rainbow Homes, they access the resources Program, care involves the and guidance through which they prove themselves in many ways- be it drawing, painting, dance, art and sports, etc. Thus they don't just gain esteem and pride, but also evolve as good, responsible, caring human beings. Our model of care and protection has helped them shape their capabilities in many ways. They learn from life experiences, activities, discussions and apply those learnings in their personal lives.

We always stand as a family in any adverse situation. Covid outbreak left its devastating effects on us. But we overcame keeping everyone protected. We also managed to address any concern out of this situation. To ensure safety and care for our children we seek assistance from different stakeholders associated with us. Whether it be

> responding to their emotional traumas, personal life or just maintaining a safe and resourceful environment. Anshul Rai,

State Documentation cum Advocacy coordinator, Patna

,बरेन(वा प्राथी

ರೈನ್ಯಬೋ

சாத்தி

ரெயின்போ

মু জ

రెయిన్బో

रेनबो साधी

RAINBOW SATHI

ರೈನ್ಬೋ

**ATT** 

ரெயின்போ

ъ Ф

रेनबो

SATHI

रेनबो होम्स में उन्हें इस तरह के संसाधन व मार्गदर्शन उपलब्ध होते जिनकी बदौलत वे

खुद को कई तरीकों से साबित करते हैं, चाहे वह ड्राइंग हो, पेंटिंग, नृत्य, कला या खेल आदि। इससे उन्हें खुद पर तो गर्व हासिल होता ही है, साथ ही वे अच्छे, जिम्मेदार व संवेदनशील इंसान के रूप में विकसित होते हैं। देखभाल व सुरक्षा के हमारे मॉडल में उनकी क्षमताएं कई तरीके से आकार लेती हैं। वे अनुभवों, गतिविधियों, चर्चाओं से सीखते हैं और उन सीखों को अपनी जिंदगियों में लागू भी करते हैं।

हम हमेशा हर परिस्थिति में एक परिवार के रूप में खड़े होते हैं। कोविड-19 महामारी ने भी सब पर विनाशकारी प्रभाव छोडा। लेकिन सबको सुरक्षित रखते हुए हमने उससे पार पाया। हमने हर तरह की दिक्कत पर तुरंत पूरा ध्यान दिया। अपने बच्चों की सुरक्षा और देखभाल के लिए हम अपने से जुड़े तमाम लोगों से भी सहायता लेने का प्रयास करते हैं। सुरक्षित और साधन संपन्न वातावरण बनाए रखने के लिए यह ज़रूरी है।

स्टेट डॉक्यूमेंटेशन कम एडवोकेसी कोऑर्डिनेटर, पटना





Publication of 'Rainbow Sathi' is a beautiful concept and it contributes to bringing out the best of our children. This boosts children's morale and inspires a sense of responsibility in them because the entire concept Rainbow Home's children centric. This magazine brings out original concept—be

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठि००५ के कि जिल्लामा का के कि जै के कि जिल्लामा का कि जिल्लामा कि जिल्लामा का कि जिल्लामा का कि जिल्लामा का कि जिल्लामा कि जिलामा कि जिल्लामा कि ज

it writing, drawing, painting or even designing. On one side children learn and practice their child rights through 'Bal Sabha, Life Skills Games, Trainings and Education and become vocal with their own issues. On the other side, through this magazine they document their voices in form of writings poetries, poems, drawings etc.

The children are given topics to explore, work and write. Even they are asked to explore at their

own. They share their poetry and essays, as well as interview experts or special guests. Everyone wants to be associated with the magazine in one form or other, this encourages them to be creative. There is generally a session for brainstorming. Sense of competition develops as a result of this activity. The magazine encourages the brightest minds to shine. It allows us to perceive our children's potential and then try to maximise that potential in order to ensure a great future for them.

Children learn and explore a variety of topics through this magazine. They become aware of things that will benefit them in life because the majority of the themes are societal concerns that their society faces. They are motivated to explore new pathways and conduct detailed research as a result of new themes. Children take an active role in the magazine and put forth a lot of effort. Children admire the concept of this magazine because it provides a platform for young brains to express themselves in all the rainbow's colours.

Vishakha Kumari, State Program Manager, Patna



#### वे खोजते हैं एक रचनात्मक संसार

👇 नबो साथी बच्चों के बेहतरीन व्यक्तित्व को उभारने का काम 🕇 करती है। चुँकि रेनबो होम्स की समूची परिकल्पना बच्चों के इर्द-गिर्द घुमती है इसलिए यह पत्रिका बच्चों का हौसला बढाने और उनके भीतर जिम्मेदारी की भावना जगाने का काम करती है। यह पत्रिका बच्चों की मौलिकता को बाहर लाती है, चाहे वह लेखन हो, कला, ड़ाइंग या फिर डिजाइनिंग। एक ओर बच्चे बालसभा, जीवन कौशल कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और शिक्षा के माध्यम से अपने अधिकारों के बारे में सीखते हैं और अपने मृदुदों को लेकर मुखर बनते हैं। वहीं दुसरी ओर इस पत्रिका के माध्यम

से वह अपनी आवाज को लेख, कविता, शायरी, कला इत्यादि के माध्यम से अभिव्यक्त भी करते हैं। #ITH

ரெயின்போ

মু জ

రెయిన్బో

साधी

रेनबो

SATHI

RAINBOW

बच्चों को विभिन्न विषय दिए जाते हैं जिनके बारे में वे अध्ययन कर लिख सकें। वे अपनी लेखनी को साझा करते हैं, इसके साथ-साथ विशेषज्ञों या विशिष्ट अतिथियों के साथ साक्षात्कार भी करते हैं। सभी लोग पत्रिका के साथ किसी ना किसी रूप में जुड़े रहना चाहते हैं और यह उनको रचनात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। आमतौर पर इसके लिए गहरा विचार मंथन होता है। ऐसी गतिविधियों से उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भावना भी विकसित होती है। यह पत्रिका उन्हें प्रोत्साहित करती है कि बच्चे अपने व्यक्तित्व को निखार सकें। यह हमें भी यह मौका देती है की हम अपने बच्चों के कौशल और क्षमताओं को पहचान सके और उस पर काम कर सकें जिससे कि उनका भविष्य उज्जवल हो।

बच्चे इस पत्रिका के माध्यम से विविध प्रकार के विषयों पर जानकारी एकत्र करते हैं और अध्ययन करते हैं। वे इस बारे में जागरूक होते हैं कि जीवन में किन चीजों से उनका फायदा होने वाला है और ऐसा इसलिए क्योंकि पत्रिका के प्रमुख विषय सामाजिक मुद्दों के इर्द-गिर्द ही घूमते हैं। बच्चे नए विषयों को लेकर प्रोत्साहित होते हैं ताकि वे उनके बारे में अध्ययन कर सकें। बच्चे पत्रिका में सिक्रय भूमिका निभाते हैं और काफी मेहनत करते हैं। बच्चे यह पत्रिका पसंद करते हैं क्योंकि इससे उन्हें अपने विचारों को रेनबो के रंगों के साथ अभिव्यक्त करने का मंच मिलता है।

विशाखा क्मारी, स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, पटना





ರೈನ್ಯಬೋ

ரெயின்போ சாத்தி

মু কু

రెయిన్బో

रेनबो साथी

RAINBOW SATHI

Roshini (6th Std) of ARUN Rainbow Home, Hyderabad reflected joy of children's day in this painting.

CHILDREN'S DA

Children's day on 14th November 2021 was celebrated across all Rainbow Homes with much joy and enthusiasm. There were many activities and children enjoyed some outings as well. A glimpse of that all:

Snacks time! Children having some

snacks at Kilkari Home in Delhi.

Children of Loreto Oharamtalla Rainbow Home, Kolkafa visited an amusement park on Children's la



Staff of the Bosco Home at Bangalore presenting a drama on the children's day.





A dance performance during Children's Day celebration at Shanti Rani Rainbow Home in Kolkata.



Children of Khushi Home, Delhi having some fun in the lap

of nature.



Screen time: Children of ASP Home. Chennai had some films to enjoy on the children's day.

Kids of Gyan Vigyan Rainbow Home in Patna had a cake to celebrate the children's day.

রেইনবো সাখী

ರೈನ್ಯಬೋ

ரெயின்போ சாத்தி

মু ক্

• రెయిన్బో

रेनबो साधी

RAINBOW SATHI



Young boys of Ummeed Home, Delhi with their gifts received on children's day.



Children at Rainbow Home, Chennai giving a special performance on the occasion of children's day.



Children of NJH, Bangalore in a session with NIPCCD TEAM from Karnataka Govt. Organisation, in which they enjoyed quiz and drawing competition as well.

Another cake: Children of **Umang Sneh** Ghar, Patna too had a cake to cherish the sweetness of children's day.



(बरेन(वा माथी

ರೈನ್ಬ್ಯೋ ಸಾಥಿ

ரெயின்போ சாத்தி

ফু জ

రెయిన్బో

रेनबो साथी

SATHI

RAINBOW

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिळार्रिय रेन्क़े ● जिज्ञाधीलंखिं माईक्री ● ठुर्ज्यकः रूक् ● (त्रहेनत्वा प्राशी

Children of

Ranchi went

to have some

fun on chil-

dren's day.

around the city

Rainbow Home, Kute,

RAINBOW SATHI

## Honest efforts ensured care and protection



COVID -19 pandemic was a difficult time but we kept things smooth by adopting appropriate strategies. Ranchi team utilized **DUE TO OUR** pandemic period in much

**HONEST EFFORTS AND FOLLOWING ALL HEALTH AND HYGIENE PROTOCOLS WE WERE LARGELY ABLE TO KEEP** THINGS IN CONTROL.

productive way as sudden changes happened in the operational system. We faced many problems as Government has ordered closing of all educational institutions. Major challenge was to get district administration to let children be at homes during lockdown. Fortunately

we got permission within 4-5 days. But soon, children & staff started feeling insecure at home. They were getting frustrated and lonely. They wanted to be with their families. Some of them did leave the Home. They returned only after regular counseling & motivation. Sufficient stock of food items and other necessary equipment & medicines was managed. Gradually all problems were sorted out.

Ranchi team faced the situation bravely and

worked as a team. We developed critical management skills. Daily routines were rescheduled & many extracurricular activities were incorporated. Gradually online classes were resumed, and children got engaged in them. Inside Homes, we scheduled offline activities as well. We adopted effective teaching methodologies such as learning by doing, learning through cultural programs, songs, poems, story writing, watching motivational films etc. Additional responsibilities were given to each staff and some of the elder children also so that home level management can be strengthened. New games & sports activities were initiated and items/ equipments were procured.

Series of capacity building sessions were conducted

by thematic experts. Regular and close supervision was done by the National office and district administration officials

It was big challenge to develop trust of the parents in these conditions. Therefore, Home team started talking & counseling those parents who had taken their children back to homes. Team ensured that children were good, safe & secure. Impact surveys were done. Other NGOs, agencies & government schemes were involved for getting more help during this crisis period. Ration kits were given not

just to children's families but to other needy people also.

Government departments also extended support in this crisis situation by providing additional rooms for quarantine, isolation or treatments. Help came from other quarters as well. Due to our honest efforts and following all health and hygiene protocols we were largely able to keep things in control.

Champa Tigga,

State Program Manager, Ranchi



#### ईमानदार कोशिशों से देखभाल

विड-19 महामारी का दौर काफी कठिन था लेकिन उचित रणनीति अपनाकर हमने सारी चीजों को सहज रखा। हमने इस समय का बहुत ही कारगर तरीके से उपयोग किया क्योंकि होम की परिचालन व्यवस्था में अचानक कई बदलाव करने पड़े थे। सरकार ने सारी शैक्षणिक संस्थाएं बंद करने के लिए आदेश जारी किए थे जिससे काफी परेशानी का सामना करना पडा। बडी चुनौती थी, लॉकडाउन के दौरान बच्चों को होम में रहने देने के लिए जिला प्रशासन से अनुमित हासिल करना। हमें 3-4 दिन में ही इजाजत मिल गई थी। लेकिन फिर, बच्चे और होम के कर्मचारी असुरक्षित महसूस करने लगे। वे परेशान हो रहे थे, अकेला महसूस कर रहे थे और परिवार के साथ रहना चाहते थे। कुछ जबरदस्ती अपने घर चले भी गए। फिर समझाने-बुझाने के बाद होम लौट आए। खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक सामान और दवाओं के पर्याप्त स्टॉक रखे गए। धीरे-धीरे सारी परेशानियों को सुलझाया लिया गया।

हमारे ईमानदार प्रयासों और सेहत व स्वास्थ्य मानदंडों का पालन करने के कारण हम हर तरह से चीजों को नियंत्रण में रख पाए।

टीम ने महत्वपूर्ण प्रबंधन कौशल विकसित किए। दैनिक दिनचर्या को नए सिरे से गढा गया है और अलग-अलग गतिविधियों को उसमें शामिल किया गया। धीमे-धीमे ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुईं और बच्चे उनमें व्यस्त हो गए। होम टीम ने ऑफ़लाइन गतिविधियां भी उसमें जोडीं। नई प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को हमने सिखाने में अपनाया। प्रत्येक स्टाफ और कुछ बड़े बच्चों को भी अहम जिम्मेदारी दी गई थी ताकि वह होम स्तर के प्रबंधन को मजबूत कर सके। विभिन्न बाल

समूहों और समितियों को मजबूत और सक्रिय बनाया गया। नए खेल शुरू किए गए और खेलों के सामान व उपकरण खरीदे गए। स्टाफ और बच्चों की क्षमता बनाने और बडाने के लिए, लगातार विशेषज्ञों को बुलाकर क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किए गए। राष्ट्रीय कार्यालय और जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा भी नियमित और कडी निगरानी रखी गई।

इन हालात में बच्चों के माता-पिता का विश्वास हासिल करना भी बड़ी चुनौती थी। इसलिए होम टीम ने उन परिवारों से नियमित बातचीत व संपर्क रखा जो बच्चों को घर ले गए थे। माता-पिता को यकीन दिलाया गया कि बच्चे होम में पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। घरों में बच्चों की देखभाल को सुनिश्चित कराया गया। परिवारों का इंपेक्ट सर्वे हुआ। अन्य गैर सरकारी संगठनों, एजेंसियों और सरकारी योजनाओं को जोड़ा गया। बच्चों के परिवारों और अन्य जरूरतमंद लोगों को राशन किट दिए।

बाकी भी कई तरफ से मदद मिली। हमारे ईमानदार प्रयासों और सेहत व स्वास्थ्य मानदंडों का पालन करने के कारण हम हर तरह से चीजों को नियंत्रण में रख पाए।

चंपा तिग्गा, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, रांची

#### **Paintings**



Madhu, 9th std

রেইনবো সাখী

ರೈನ್ಬೋ

சாத்தி

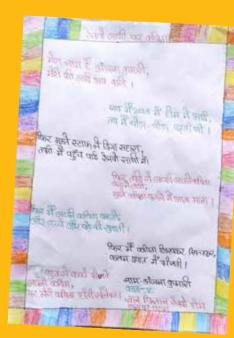
ரெயின்போ

মু কু

రెయిన్బో

रेनबो साथी

RAINBOW SATHI



**Anajali** Gyan Vigyan, BGVS



Julie Kumari 9th std,

**Gharaunda Rainbow Home Patna** 

রেইনবো সাখী

ರೈನ್ಬೋ ಸಾಥಿ

ரெயின்போ சாத்தி

ටිගානින්

रेनबो साधी

RAINBOW SATHI

अपने घर को छोड़ अचानक एक ऐसे वातावरण में अपने आपको ढालना बहुत मुश्किल होता है जहां कोई आपको नहीं जानता। मेरे साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ था, लेकिन लोगों ने साथ दिया और मैं होम में ढल गई। कुछ लोगों ने तो मुझे बहुत प्यार दिया और मेरी माँ की कमी महसूस नहीं होने दी। होम में मैंने आर्ट्स एंड क्राफ्ट सीखा और कंप्यूटर चलाना सीखा। मैंने लायब्रेरी में ढेर सी किताबें पढ़ीं। मुझे होम की फूड किमटी कि तरफ से एनुअल डे पर ट्राफी मिली। यह महसूस करके मुझे बहुत अच्छा लगा मैं एक जिम्मेदार लड़की हूँ और यह बात मेरे लिए होम के स्टाफ भी बोलते है। होम में रहकर मुझे पढ़ना आया और आज मैं अपने से छोटे बच्चो को अच्छे से पढ़ा सकती हूँ। बस मुझे गणित पसंद नहीं है।



अपनी बात किस तरह से सामने वाले व्यक्ति को समझाई जाए जिसे वो समझ भी जाए और उसको गलत भी न लगे- यह मैंने किलकारी होम में ही अपने सीनियर्स से सीखा है। किलकारी होम में सब एक-दूसरे की भावनाओं को समझते हैं, चाहे स्टाफ हों या होम के बाकी बच्चे। जरूरत पड़ने पर सब साथ में खड़े हो जाते हैं। आज किलकारी होम में मुझे 10 साल हो गए हैं और यहां किसी ने कभी मुझे अकेला महसूस नहीं होने दिया, खास तौर पर किलकारी होम की मदर्स ने। मैं दिल से होम की तमाम मदर्स का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ।

पूजम, कक्षा 11वीं, किलकारी होम, दिल्ली

## आगे बढ़ने का हौसला मिला



झे किलकारी होम में 7 साल हो गए हैं। मैं 10 साल की थी जब यहां आई थी, अब मैं 17 साल की होने वाली हूँ। मुझे किलकारी होम में रहकर बहुत अच्छा लगा, बहुत कुछ सीखने को मिला। आगे बढ़ने के लिए और कुछ कर दिखाने का हौसला मिला, जो कि मुझे अपने घर पर रह कर नहीं मिल सकता था।

मैंने पहले कभी पढ़ाई नहीं की थी। होम में आने के बाद मुझे होम की टीचर्स ने पढ़ाया। फिर मुझे ब्रिज कोर्स में डाला तािक मैं अपनी उम्र के हिसाब से चीजों को समझ और सीख सकूं। फिर धीरे-धीरे मैं 5वीं कक्षा में आई और उसके बाद मेरा दािखला नियमित स्कूल में कराया गया। जब मैं चौथी कक्षा में थी, तब भी मुझे पढ़ना-लिखना नहीं आता था। होम की टीचर्स ने मुझपर बहुत मेहनत की और मुझे पढ़ना-लिखना सिखाया तािक मैं आगे बढ़ूं और आगे चल कर कुछ अच्छा कर सकूं। मुझे गाना गाना बहुत पसंद है। जब

किलकारी स्टाफ को पता चला तो मेरी संगीत क्लास भी शुरू करवाई गई ताकि में और अच्छा गा सकूँ। मैंने किलकारी होम में रह कर बहुत कुछ सीखा है। आर्ट एंड क्राफ्ट की क्लास भी होती थी। संगीत प्रतियोगिता में तो मैंने कई सारे खिताब भी जीते और मेडल भी लेकर आई। होम से हमें बाहर टिप पर भी लेकर जाते हैं जैसे, आगरा, उत्तराखंड, जयपुर वगैरह। होम में हमें किसी भी चीज़ की कमी नहीं होती। एक लाइब्रेरी है और एक कंप्यूटर रूम भी। होम में अगर किसी को कोई परेशानी होती है तो वह ऑफिस में जा कर अपनी परेशानी बता सकता है। यह होम एक तरह से मेरा परिवार है। मुझे बहुत ख़ुशी है कि मैं किलकारी होम मैं आई। यहाँ के टीचर्स ने मुझे इतना काबिल बना दिया है कि अब में वज़ूद खड़ा कर सकती हैं।

शबाना, कक्षा 10वीं, किलकारी होम, दिल्ली

# I NEVER FELT LONELY HERE

When I came to Kilkari Home, I was 8 years old. My formal studies started only after coming to Kilkari Home. I was initially enrolled in the class 2. At Kilkari Home, I have met a lot of people and I got to learn something or other from every single person. Good or not so good, everyone has taught me life lessons.

It is very difficult for a child to suddenly leave home and mould oneself in an environment where no one knows you and you are stranger. Same thing happened with me, but people supported me, and I was able to adapt to the home atmosphere. Fortunately, I got a lot of love and people didn't let me miss

even my mother. At home, I learned arts and crafts and computers. I read many books in the library. I was also awarded a trophy from the food committee on Annual Day. I was very happy on the feeling that I was considered as a responsible girl by my home staff. I learned to study at Home and today I can even teach younger children very well, except maths of course, which I just don't like.

, बरेन(वा माथी

**E** 

**ATT** 

ரெயின்போ

₽ B

రెయిన్బో

साधी

रेनबो

SATHI

RAINBOW

I have learned from my seniors at Kilkari Home that how should one explain its viewpoint to others so that they can understand easily without being offended. Everyone in Kilkari Home is very nice and understands each other's feelings, whether it is the staff or the children. We all stand together in time of need. Now, it has been 10 years for me at Kilkari Home, and the people here have never let me feel alone, specially the Home mothers of Kilkari Home. I want to thank all the Homes Mothers from the bottom of my heart.

Poonam, Std 11th, Kilkari Home, Delhi

#### GOT COURAGE TO MOVE AHEAD

Thave been in Kilkari Home for 7 years. I came to Kilkari Home at the age of 10, now I am about to turn 17. I really enjoyed staying at Kilkari Home, got to learn a lot, got the courage to move forward and do something which I could not have by staying at my house.

I never went to school before, but after coming home, I was taught by home teachers. Then I was put in a bridge course so

that I can understand and learn things according to my age. Then slowly I moved to the 5th class and after that I was admitted in a regular school. When I was in 4th grade, I still could not read and write. Home teachers worked very hard on me and taught me to read and write so that I can grow and do something good in life. I love singing. When Kilkari staff came to know



my hobby, they started my music classes so that I could do better. I have learned a lot by staying at Kilkari Home. Art and craft classes were also held. I won many titles in the music competitions and brought home many medals. We are also taken to many outstation trips from Home. We have been to places like, Agra, Uttarakhand, Jaipur and many more. We get everything here. Kilkari Home has a library and

a computer room. If someone has any problem, then they can go to the office and tell their problem. This home is now my family. I am very happy that I came here. The teachers here have made me so capable that now I can create a future for myself.

Shabana, Std 10th, Kilkari Home, Delhi

্রা সাথী 💆

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठेळार्रिय रेन्के ● जिज्ञाणिलंपा मार्केकी ● ठुर्ज्याल रूके ● (त्रेश्नादा प्रार्थी

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिయर्रिध रुक़ ● जिल्लाका कार्क्ष ● जुरुधार रुक् ● (त्रहेन(वा प्रार्थी

AT ASRITHA

Srikanya,

Std 9

hildren's day was celebrated with Centhusiasm. We cleaned the rooms, placed

the photo of Chacha Nehru, put a garland

over it and then conducted the program. We

stress remedy group people came to Home.

Sisters in that group made all of us to play

many things that we didn't know.

all wore new dresses. In the morning SRINIJA

many games. Games like memory game, stress

game and others were enjoyed a lot by all of

us. We also had a few songs. They also told us

Ramyasri,

Std 10

Pujitha,

Std 10

them. We participated in the songs, dances and speech. Gifts were given to all those who won different games. Guests told us about our responsibilities. They told us that wherever we go, we need to be very careful. They also explained us about "child

After lunch in

program BJP leader

Sathyanarayana Sir,

Kanya Madam and

Kamatipura CI G.

Rambabu sir told us

some good things. We

felt very happy to see

the children's day

line Dosthi" program. Thus, on the occasion of children's day, we came to know about a lot many details. We wish that we should celebrate more such programs and festivals.

**Hyderabad** वे इस रचनात्मक जगह को **CHILDREN'S DAY** अपना मानते हैं

🚣 नबो होम, बच्चों के लिए एक बेहतरीन अवसर की तरह रहे हैं जहां सही मार्गदर्शन और सिद्धांतों से प्रेरित बच्चे अपने तरीके से नई ज़िंदगी को तलाशते हैं। रेनबो होम में बच्चों को उनकी अपनी इच्छा के मुताबिक खुद को पूरी तरह से विकसित करने में मदद मिलती है।

सजग व संवेदनशील नागरिक के तौर पर उनके अपने व्यक्तित्व निर्माण में बच्चों की महत्वपूर्ण भागीदारी व भूमिका रहती है। तभी वे आत्मविश्वास के साथ बाहरी दुनिया में आगे के कदम मजबूती से रख सकते हैं। इन बच्चों ने जीवन कौशल सीखकर अपनी क्षमताओं में इजाफा किया है ताकि वे असल जिंदगी में खुद को ढालने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहें। तभी वे समाज में अपने लिए बेहतर जगह और अच्छे रोजगार अवसर के साथ बेहतर भविष्य तैयार कर सकते हैं और अपने परिवारों, अपने भाई-बहनों की मदद कर सकते हैं।



वे कही भी रहें, वे अपने आस-पास रेनबो परिवार बना लेते हैं जो उन्हें बाकी दुनिया से तो जोड़ता ही है, उनमें इंसानियत व सजगता का भाव पैदा करता है। इसी से वे मजबूत व जिम्मेदार नागरिक के तौर पर पनपते

रेनबो साथी भी उनके लिए एक ऐसा ही खबसरत मौका है जो रेनबो होम्स व स्नेह घरों

में हमारे बच्चों को मदद देता है और उनमें जमीनी और वास्तविक दृष्टिकोण पैदा करता है। यह पत्रिका बच्चों को नेतृत्व लेने में मदद करती है और अपनी धारणाओं व समझ को जाहिर करने के लिए प्रेरित करती है।इससे यह भी जाहिर होता है कि वे अपने बारे में खुलकर बात करने के लिए सशक्त और आश्वस्त हैं। अपने अतीत को लेकर उनमें कोई पश्चाताप नहीं है, और मौजूद जिंदगी व भविष्य के बारे में पुरा आत्मविश्वास है।

वे जो लेख लिखते हैं, वे बताते हैं कि उनमें सामने घट रही चीजों को देखने, समझने और उनका विश्लेषण करने और उसे अपनी भाषा में अभिव्यक्त करने की काबिलियत है। इससे वे बाहरी दुनिया को खुले तौर पर बता सकते हैं कि वे क्या समझते है। उनके दिमाग से जो पेंटिंग और कविता निकलती है, वह अतीत की परवाह किए बिना दुनिया, लोगों और समाज को देखने के उनके अपने खूबसूरत नजरिये के बारे में बताती है। यही उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रेरित करती है। रेनबो होम के बच्चे रेनबो साथी पत्रिका के कर्ताधर्ता हैं क्योंकि यह उनकी अद्भुत भागीदारी के माध्यम से उन्हें लीडर्स के रूप में विकसित होने में मदद करती है।

बी. अरुणमई, स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, हैदराबाद

# They Own And Cherish Their Little **Creative Space**

ரெயின்போ சாத்தி

₽ P

రెయిన్బో

साधी

रेनबो

SATHI

RAINBOW

**Our Rainbow Homes** have been a wonderful opportunity for the unreached children to explore a new world in their own way enhanced by the guiding values and principles of Rainbow Homes for children to help themselves to grow to

the fullest as desired by the child. The child participation has been a key role factor in building the caring citizens who could have a proper transition to external world with confidence. These children have built their capacities with so much life skills as part of

their real life journey that they are well equipped to build their own world and reintegrate back to society with a better place to live and gain more sustainable job opportunities by supporting their biological families or family siblings in Rainbow Homes.

Wherever they are, they have built a small Rainbow families in and around their spaces connecting with larger world with a sense of humanity and concern to grow into more stronger and responsible adult citizen. Rainbow Sathi is one such beautiful opportunity which helps our children in Rainbow Homes and Sneh Ghars to make these things grounded and real. The magazine helps children to take leadership to own it and write down their perspectives and understanding and there life stories which also depicts that they are empowered and confident to talk about themselves openly and don't regret about their past life but are proud and confident about present life and future.

The articles they write show their capacity to think, understand and analyse what they are seeing and thinking and put them in their own language to let the outside world know openly

> what they perceive. The painting and poetry which comes out of their mind speak about their own beauty of seeing the world, people and society around them irrespective of the past which inspires them in there walks of life. Rainbow children own the Rainbow Sathi magazine as it helps them to grow as leaders through there wonderful participation.

B. Arunmai, State Program Manager, Hyderabad

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिळार्रिध केर्क ● जिल्लाजिजिया मार्क्रेकी ● ठुरुक्ष किर्म • त्रिश्वादा प्राशी

THE MAGAZINE

HELPS CHILDREN

TO TAKE

**LEADERSHIP** 

TO OWN IT

AND WRITE

**DOWN THEIR** 

**PERSPECTIVES** 

AND

**UNDERSTANDING** 

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिळार्रिध केर्क ● जिल्लामिलंडिया मार्केकी ● ठुरूक्ष किर्म किर्म प्राथी



SATHI

RAINBOW

#### Chennai

# CHILDREN'S DAY ACTIVITIES

#### **AKP & AMJ CELEBRATION:**

রেইনবো সাখী

ರೈನ್ಬೋ ಸಾಥಿ

EN.

ரெயின்போ சாத்

SATHII

- ▶ The day started with surprise chocolates under children's pillows. Home mothers and teachers woke up the children with children's
- ▶ Employees from Zebronics conducted fun activities and brain games with the children and distributed snacks.
- ▶ Manitham Potruvom NGO offered ice cream, chocolates, and cake to the children and engaged in fun activities with them.

They celebrated the children's day.

- ▶ Children's Day was celebrated by Rotary club volunteers and Iravi Foundation with AMI and AKP children.
- ▶ Children enjoyed the sharing session on "paper on the back—positive comments." Children felt happy and proud of themselves while reading the comments about them by their peers, younger and older children.
- ▶ AMJ, AKP, and state team members did a surprise performance on "Prevention of Child Sexual Abuse" role play. Children receive reinforcement on child help line 1098. Distinguish the safe and unsafe touch with a doll experiment, and oriented on safe environment is created for them.
- ▶ Children performed role plays on "Nehru Mama Returns". Child Sathya Jothi, also known as "Nehru Mama," visited the children in need and showed his love and care for them. He motivated the children to continue their education even in hard times.
- ▶ Children did a dance performance on Oyil attam (traditional Tamil dance), which they learnt one day before with the support of ASP HMC.
- ▶ At the end of the celebration, the children had a



campfire dinner on the ground under the night sky.

#### **ASP Celebration:**

- ▶ Children had fun activities conducted by the teachers.
- ▶ The Ramp Walk Role Play was conducted by the Home Team staff members for the children. Children performed fashion shows, walked and talked about their roles as different characters. which makes understanding of gender sensitivity, poverty, agriculture, and other social concepts.
- ▶ At the end of the celebration, the children had a candle light dinner on the terrace under the night sky along with the feedback session.

नई में एकेपी, एएमजे और एएसपी होम्स में बाल दिवस बडे उत्साह से मनाया गया। कई तरह की गतिविधियां हुईं। बाहर से भी कई एनजीओ व संगठन इसमें शिरकत करने पहुंचे तो बच्चों के साथ-साथ होम स्टाफ ने पूरे जोश के साथ हर गतिविधि में हिस्सा लिया। खेल हुए, नृत्य व नाटक किए गए, अच्छी बातें एक-दूसरे से साझा की गईं। इतना ही नहीं, बच्चों को तोहफे भी मिले। यह सिलसिला पूरे दिन चला।



রেইনবো সাখী

சாத்தி

ரெயின்போ

రెయిన్బో

साधी

SATHI

ரெயின்போ சாத்தி

రెయిన్బో

रेनबो साथी

RAINBOW SATHI

**Jharkhand** 



रेनबो होम, कुटे, रांची

कोरसः ऊंचा-नीचा पहाड् पर्वत नदी नाला ..... हायरे हमर छोटानागपुर काले भुईल गेले संगी काले छोडड देले संगी असम भोटांग हरियर चाय के बगान

मोर सुन्दर छोटानागपुरे बन - जंगल कतई सुन्दर सरई फूल फूलेला चहकेला चरईया रे फदकेला हिरणनिया रे का लखे हीरा भैया रे कोरसः

देखोना मोय जहाँ हरियरो खेती लहरायला जने जाय हरौया रे पीछे से गोरिया रे लागे सुहान दैया रे।

#### कोरसः

नागपूरक अखरा उपरे ढोल नगरा संगे जोडा मांदर बजेला ञ्जञ्ञकेला ज्ञरिया रे खेलंय ज्ञुमरिया रे मुंडे उपर खोंसाय दईया रे

#### झारखंड का लोकप्रिय लोक गीत

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता और यहां के जंगलों, नदियों में स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले वन्य जीवों का खुबसुरत बखान, और साथ ही जंगलों में निवास करने वाले आदिवासियों के नाच-गान का खूबसूरत चित्ण इस लोकगीत में है। इस गीत को होम में रहने वाली फुलो उरांव ने सभी बच्चों को सिखलाया।









ರೈನ್ಬೋ ಸಾಥಿ

ரெயின்போ சாத்தி

రెయిన్బో సాథ్రి

रेनबो साधी

RAINBOW SATHI

ரெயின்போ

சாத்தி

মু কু రెయిన్బో

भावनाएं इस तरह व्यक्त कर सकती हूं। फिर मेरा लेख रेनबो साथी में प्रकाशित होने के साथ ही, मेरी लेखन

रेनबो साथी

RAINBOW SATHI

मुझे अपनी प्रतिभा से प्रभावित किया है। मैं अपने सभी साथियों को रेनबो साथी पढने के लिए

कि आने वाले दिनों में रेनबो साथी के अधिक से

रेनबो साथी पत्रिका के सभी बाल लेखकों ने

रेनबो साथी पत्रिका शुरू करने में रुचि दिखाई।

की है। मुझे यकीन है कि जो बच्चे इस पत्रिका को नियमित रूप से पढ़ रहे

#### Kolkata

#### Five years of creativity



support team member, Kolkata

Pive years ago, Rainbow Sathi started its journey.  $oldsymbol{\Gamma}$  Earlier, we haven't realised that in our homes, there are children who can express their feelings, so wonderfully through writing. Now I feel that there were many children who discovered their writing talent with Rainbow Sathi's journey. This magazine helps the children to raise their voice on different situations they are experiencing. Each issue of Rainbow Sathi carries a message for the adults as well. All these years, the magazine has been spreading stories and experiences gained by the children. I hope it continues to spread the messages for many more years and to the whole world.

#### रचनात्मकता के पांच साल

च साल पहले रेनबो साथी ने अपना सफर शुरू किया। पहले कभी हम लोगों को इस बात का अहसास नहीं रहा कि हमारे होम में ऐसे बच्चे हैं जो लेखनी से अपनी भावनाओं को इतने खबसरत तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। अब मुझे लगता है कि ऐसे कई बच्चे हैं जिन्होंने रेनबो साथी के सफ़र के साथ-साथ ही अपनी लेखन प्रतिभा को भी पहचाना। यह मैगज़ीन बच्चों को विभिन्न स्थितियों

में अपनी आवाज उठाने में भी मदद करती है। साथ ही रेनबो साथी का हर अंक बडों के लिए भी कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। इन तमाम सालों में लेनबो साथी ने बच्चों की कहानियों व उनके अनुभवों को हम तक पहुंचाया है। मेरी कामना है कि आने वाले कई सालों तक यह हमें और बाकी दुनिया को अपने संदेश पहंचाती रहे।

#### A lifelong relation with Rainbow Sathi



ainbow Sathi' the name itself Creates a different feeling within me. For five years this magazine has been publishing once every three months. Every time I wait for the

magazine to be released and when I get the magazine my soul is filled with joy. I like this magazine the most because I can see my creativity get some place, which goes across the country.

Apart from my work I get to see the creativity of my other friends who are some thousands of kilometres away. I got the opportunity to learn about other children's opinions and thoughts on different issues. Through this exposure I get to know many things. Now my interest has grown towards reading books other than textbooks and I have also started expressing my feelings. From Rainbow Sathi friends I get inspired to

move ahead to chase my dreams and plan for the future. Before Rainbow Sathi I would have never imagined that I could write about my feelings. But when my article got published in our magazine, my writing journey started.

All the writers of Rainbow Sathi magazine have impressed me, their talent inspires me. I encourage my sisters and friends to read this magazine. I want to always be part of Rainbow Sathi. I hope Rainbow Sathi will publish more and more editions in the coming days. I am grateful to those people who showed their interest to launch the Rainbow Sathi magazine. The initiative of publishing this magazine has helped all the rainbow children to come together. I am sure that all those children who are reading this magazine regularly have changed a lot from inside. I am also one of them. Through this magazine I have also become familiar to many children. With Rainbow Sathi a relationship has been evolved which will be there always.

Sabina Khatun, 17 years,

Loreto Rainbow Home, Dharamtalla, Kolkata

#### Missing my Rainbow Home life



When I was at the Rainbow Home, I was very happy and I will home, I any kind of problems. But now at my home we are facing many problems and worries about rain, food, clothes, shelter,

electricity etc. At my home we have to cook food for ourselves. We even have to buy water to drink and we have to pay electricity bills. We spend money after thinking about the next day's meals. At the Rainbow Home we never thought about all this.

Now I have understood the difference between life at Rainbow Homes and outside world. I really miss those days when we use to waste food without thinking about future. Now we have also understood that how our teachers and parents struggled to give us a successful future, but at that time we didn't listen to anyone. At the Rainbow Home we used to have many friends, teachers, mothersthere were so many people to take care of us. But now at our home we have to take care of ourselves. I miss my hostel life so much. At the Rainbow Home we celebrated all festivals together with joy and happiness.

I'm missing everything of Rainbow Home.

Usha Halder, Kolkata

#### रेनवो होम के दिन याद आते हैं

🖚 🛖 ब मैं रेनबो होम में थी उस समय मैं बहुत ख़ुश और प्रसन्न रहती थी और मुझे किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं थी। लेकिन अब अपने घर पर हूँ तो बारिश, भोजन, कपड़े, आश्रय, बिजली आदि के बारे में दिक्कतों व चिंताओं का सामना करना पड़ता है। अब तो अपने लिए खाना भी बनाना पड़ता है, पीने के लिए पानी खरीदना

पडता है और बिजली का बिल तक भरना पडता है। रोज धन खर्च करने

से पहले अगले दिन के भोजन के इंतजाम की चिंता करनी होती है। रेनबो होम में तो हमें इस सबके बारे में कुछ भी सोचने की

> जरूरत नहीं होती थी। अब मुझे रेनबो होम के जीवन और बाहर के जीवन का अंतर समझ आ गया है। सच में उन दिनों की बहत याद आती है जब हम भविष्य की सोचे बगैर चीजों की बर्बादी करते थे अब मुझे समझ आया हैं

कि क्यों हमारे शिक्षक व माता-पिता हमारे कामयाब भविष्य के लिए इतना संघर्ष करते थे

मैं भविष्य में अपने सपनों को मकम्मल करने के लिए

से पहले मैंने कभी सोचा तक न था कि मैं भी अपनी

आगे बढ़ती रहूं। रेनबो साथी में अपनी यात्रा शुरू करने

लेकिन हम तो किसी की नहीं सुनते थे। रेनबो होम में हमारे कई दोस्त, शिक्षक, मदर्स थीं- हमारी देखभाल करने के लिए वहां बहुत सारे लोग थे। लेकिन अब हमें अपने घर में अपना ख्याल खुद रखना होता है। मुझे अपने हॉस्टल लाइफ की बहुत याद आती है। रेनबो होम में सभी त्योहार बहुत अच्छे से और मिलकर मनाते थे। मुझे रेनबो होम की सारी बातें बहुत याद आती हैं।

#### रेनवो साथी से जीवन भर का रिश्ता

निबो साथी' नाम मेरे भीतर एक अलग एहसास पैदा करता है। पिछले 5 साल से यह पत्रिका हर तीन महीने में एक बार प्रकाशित हो रही है। मैं हर बार इसके नए अंक की प्रतीक्षा करती हूँ और जब मुझे पत्रिका मिलती है तो मेरा दिल खुशी से भर जाता है। मुझे यह पत्रिका सबसे ज्यादा पसंद है क्योंकि इसमें मेरी रचनात्मकता को थोडी जगह मिल जाती है।

अपनी रचनाओं के अलावा मुझे अपने उन साथियों की रचनात्मकता भी देखने को मिलती है जो मुझसे हजार किलोमीटर दूर हैं। मुझे इस पत्रिका के माध्यम से दूसरे बच्चों की राय और सोच के बारे में जानने का मौका मिलता है। उनके ज्ञान से मुझे बहुत कुछ जानने को मिला। अब मेरी रुचि पाठ्य पुस्तकों के अलावा अन्य पुस्तकों को पढ़ने में भी हो गई है। अपनी भावनाएं मैंने व्यक्त करना शुरू कर दिया है। मुझे अपने रेनबो साथी दोस्तों से प्रेरणा मिलती है ताकि



प्रोत्साहित करती हूं। मैं हमेशा इस रेनबो साथी का हिस्सा बने रहना चाहती हूं। मुझे आशा है अधिक संस्करण प्रकाशित होंगे। मैं उन लोगों की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने

यात्रा शुरू हो गई।

इस पत्रिका ने सभी रेनबो होम के बच्चों को एक साथ आने में मदद हैं, वे अंदर से बहुत बदल गए होंगे। मैं भी उनमें से एक हूं। इस पत्रिका के माध्यम से मैं कई बच्चों से परिचित भी हुई हूँ। रेनबो साथी के साथ एक रिश्ता विकसित हुआ है जो हमेशा कायम रहेगा।



साधी

SATHI

RAINBOW

SATHI

RAINBOW

ರೈನ್ಯಬೋ

# রেইনবো সাখী රුදෙන দ্দ # E

CHIDREN: THE RAINBOW **COLOURS!** 



The Rainbow family in Kolkata shares the call-'dare to dream'- to dream together with young hearts under their care. We often associate a Rainbow with 'HOPE 'and it is always wonderful

to see the excitement and joy after having the sight of a Rainbow. But if we recall, when did we last saw one or any Rainbow, I am sure we will remember the happy side and all previous unpleasant feeling fade away. This is where I connect the Rainbow as a whole; A future filled with Hope!

Rainbow that is unfolded with pleasant feelings also has the process of its formation. I see the life and formation of our children unfolding to us the reality of today, which has various colours of concerns and challenges and that needs special care. This journey is tough but worth taking it through. It is a call to human relationship. The trust that our children place in us in what keeps us, answering the call. It is a joy to see the mixture to great talents and capabilities our children grow up with.

We are aware that each colour in the Rainbow adds to its beauty and if we study the symbolic part to it, we discover the qualities it has to offer us. Every passing year, I see this in our Children each of them are unique, gifted and blessed. We are only to be instrument to tap their utmost capacity and they in turn will become a Rainbow for others.

#### Priyanka Topno,

State Program Manager, Loreto Rainbow Homes, Kolkata



## बच्चे हैं इंद्रधनुष के रंग

को लकाता में रेनबो परिवार सपने देखने के साहस में साझेदारी करता है- अपने संरक्षण में रह रहे छोटे बच्चों के साथ मिलकर सपने देखना। हम अक्सर रेनबो यानी इंद्रधन्ष को उम्मीद से जोडकर देखते हैं। और एक इंद्रधनुष को देखकर होने वाली खुशी और उत्सुकता को देखना हमेशा खूबसूरत होता है। लेकिन अगर हम यह सोचने की कोशिश करें कि हमने अपने जीवन में आखिर बार इंद्रधनुष कब देखा था, मुझे पूरा यकीन है कि हमें खुशी का वह पल ही याद आएगा और उसके पहले के उदासी के पल गायब हो जाएंगे। यही वो कल्पना है जिसमें मैं रेनबो को पूरी तरह एक साथ देख पाती हूं, जैसे उम्मीद से भरा हुआ भविष्य।

रेनबो जो एक सुखद अहसास से भरा हुआ होता है, उसके बनने की भी अपनी एक प्रक्रिया है। ऐसे ही मैं देखती हूं कि बच्चों का जीवन भी प्रतिदिन नया मोड लेता है, जिसमें चुनौतियां और चिंताओं के रंग होते हैं और उन्हें खास ध्यान की ज़रूरत होती है। इसमें कई प्रकार प्रकार की चुनौतियां और सुझाव भी शामिल होते हैं। यह प्रकिया मुश्किल होती है लेकिन इससे गुजरने का अपना मजा है। इसे ही मानवीय संबंध यानी ह्यूमन रिलेशनशिप कहते हैं। हमारे बच्चों का हमारे प्रति विश्वास हमें सतर्क और जिम्मेदार बनाए रखता है। हमारे बच्चे जिस प्रतिभा और क्षमता के साथ बड़े होते हैं उसे देखना हमेशा ही एक सुखद

हम जानते हैं कि इंद्रधनुष की सुंदरता में प्रत्येक रंग का अपना योगदान होता है और अगर हम इसके प्रतीकात्मक अर्थ के बारे में पढ़े तब हमें यह पता चलेगा कि हर एक रंग के अपने गुण हैं और अपना महत्व है। हर साल, मैं अपने बच्चों में ऐसा ही कुछ देखती हूं। वे सभी अपने आप में अद्वितीय और प्रतिभाशाली हैं। हम सिर्फ माध्यम हैं जो उनकी क्षमता को बाहर लाने और निखारने में मदद करते है और बदले में बच्चे दूसरों के लिए इंद्रधनुष की तरह प्रेरणास्रोत का काम करते हैं।

पियंका टोपनी,

स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, लॉरेटो रेनबो होम्स, कोलकाता



রেইনবো

රුදෙ

ರೈನ್ಬೋ

**E** 

**FILE** 

ரெயின்போ

రెయిన్బో

साधी

रनबो

SATHI

RAINBOW

சாத்தி

ரெயின்போ

ফু জ

రెయిన్ఓపో

रेनबो साथी

RAINBOW SATHI

Prayer

प्रार्थना

RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठिळार्रिश केष्वे ● जिज्ञाीलंडिया मार्क्के ● जुर्न्थाल कार्के ● (त्रहेन(वा प्रार्थी

Thank you for this beautiful life as part of creation! WE believe, we wish, to live in friendship and mutual

respect with head held high, in courage and self confidence.

We believe, we wish that all human beings, whether men or women, live in equality, and in happiness, whatever their colour, caste, class, religion, region, language or abilities.

We believe that, we wish to strongly oppose divisive forces and ideologies that spread hatred and divide us and support democratic and non-violent actions for justice, humanity, truth and peace, taking injustice done to others as inflicted on us.

WE believe in, we wish to contribute our mite towards, the building of more humane and free world, in good health and joyful learning and spreading knowledge. God!

We believe in, and wish to join our tiny hands with the multitude of the people in this ages-old divine journey of love.

र्इश्वर अल्लाह

हमारी ये दुआ है कि इस दुनिया में कोई भी बच्चा ना हो जिसे भोजन प्यार सुरक्षा और शिक्षा न मिले और यह भी प्रार्थना हैं कि हम अपने आस पास सबकी जिंदगी में खुशी की रोशनी भर दे।

ಈಶ್ವರ ಅಲ್ಲಾ ಜೀಸಸ್ ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ಮಗು ಆಹಾರ ಪ್ರೀತಿ, ಸುರಕ್ಷತೆ ಮತ್ತು ಶಿಕ್ಷಣದಿಂದ ವಂಚಿತರಾಗದಿರಲಿ ಇದು ನಮ್ಮ ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ನಮ್ಮ ಹಾಗೂ ನಮ್ಮ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲಿನ ಎಲ್ಲರ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಸಂತೋಷ ಹಾಗೂ ಪ್ರೀತಿಯನ್ನು ಕರುಣಿಸಿ.



RAINBOW SATHI ● रेनबो साथी ● ठెయిన్బో సాథీ ● ரெயின்போ சாத்தி ● ൃഹ്ഷം கூடி ● রেইনবো সাখী

Opp. vishnu Residency, Gandhinagar, Hyderabad - 80 Office No: 040-65144656